



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 518] नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 12, 1986/अग्रहायण 21, 1908
No. 518] NEW DELHI, FRIDAY, DEC. 12, 1986/AGRAHAYANA 21, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 1986

का. आ. 911(श).—केन्द्रीय सरकार, चाय नियम, 1954 के नियम,
4 और 5 के साथ पठित चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) के द्वारा
4 को उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार

के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. प्रा. 443 (अ) तारीख, 14 जून, 1984 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में "चाय एस्टेट तथा बागानों के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्ति" शीर्षक के तंत्रि क्रम सं. 2 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात् :—

"श्री एल. एम. प्रधान, महासचिव,
राष्ट्रीय बागान कर्मकार संघ,
डाकघर, बीरपाड़ा, जिला, जलपाईगुड़।"

[फा.सं. ई-12012(1)/84-बागान ए]

डी. पी. बागची, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Commerce)

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th December, 1986

S.O. 911(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Tea Act, 1953 (29 of 1953) read with rules 4 and 5 of the Tea Rules, 1954, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 443(E) dated 14th June, 1984, namely :—

In the said notification under the heading "Persons representing employees of tea estates and gardens" for the entries against serial number 2, the following shall be substituted, namely :—

"Shri L. M. Pradhan, General Secretary, National Union of Plantation Workers, P.O. Birpara, District Jalpaiguri."

[F. No. E-12012(1)/84-Plant. A]

D. P. BAGCHI, Jt. Secy.